ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

23-03-2026

सरकमस्टांस भले कैसे भी हों लेकिन निश्चय बुद्धि बच्चे सरकमस्टांस में अपनी स्वस्थिति की शक्ति से सदा विजयी अनुभव करेंगे। चाहे दुनिया वाले लोग वा ब्राह्मण परिवार के सम्बन्ध सम्पर्क में दूसरा समझे वा कहे कि यह हार गया – लेकिन वह हार नहीं है जीत है। कोई भी सेवा की, संगठन की, प्रकृति की परि-स्थिति स्व-स्थिति को वा श्रेष्ठ स्थिति को डगमग करती है तो यह भी बन्धन मुक्त स्थिति नहीं है। इस बन्धन से भी मुक्त बनो।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

No matter what the circumstances are like the children whose intellects have faith will constantly experience themselves to be victorious with the power of their original stage, regardless of the circumstances. Even if people of the world or those in relationship and connection with the Brahmin family think or say that you have been defeated, that defeat is not defeat, but victory. When any situation of service, a gathering or matter shakes your original elevated stage, that is not the stage of being free from bondage. Become liberated from even this bondage.